बालाजी मेरी राम प्रभु तं,
एक मीटिंग करवा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

सबरी की ज्युं व्याकुल सुँ,
देखुं राम दरबार मैं-2,
लखन लाल और मात सीया का,
चाँहु सुँ दीदार मैं,
जन्म जन्म के बंधन कटज्यां,
मुक्ति मन्नै दिवादे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

राम नाम की मस्ती चढ़ रही,
चित्रकुट तक घुम आया-2,
एक छोटी सी आश जगा क,
मन मेरा मेंहदीपुर लाया,
जब मानु हनुमान तन्नै,
सेवक की पीड़ मिटा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

मन में भाव लगन और श्रध्दा,

देख मेरा हो सादापन-2,
सीताराम राम मेरे आवं,
याहे रहती मेर: लगन,
टुटे ना विस्वास अटल,
चरणां बीच जगाह दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

अशोक भक्त ने सोच लेयी स,
हरिभजन बिन के जीणा-2,
सीया राम की भक्ति करणी,
बाबा राम रस यो पीणा,
राजपाल दुख पा ज्यागा,
मन का भ्रम मिटादे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

बालाजी मेरी राम प्रभु तं,
एक मीटिंग करवा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।।

गायक नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक राकेश कुमार खरक जाटान,
9992976579

Source:
https://www.bharattemples.com/balaji-meri-ram-parbhu-te-ek-meeting-karvade-na/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw